वर्ष-8 | अंक 49 | 05 अगस्त से 11 अगस्त 2024 तक

पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

आमंत्रण मुल्य 15/-

म.प्र. वाणिज्यिक कर निरीक्षक संघ के वार्षिक अधिवेशन समारोह में उप मुख्यमंत्री हुए शामिल

जीएसटी संग्रहण कार्य में निरीक्षक की अहम भूमिका: जगदीश देवड़ा

उदय प्रताप सिंह चौहान

वाणिज्यिक कर विभाग के निरीक्षकों ने सरकार से अपना पदनाम बदलने और नायब तहसीलदारों के समान राजपत्रित अधिकारी का दर्जा राज्य शासन से मांगा है। इस विभाग के निरीक्षकों के वार्षिक सम्मेलन में पहुंचे उप मुख्यमंत्री और वाणिज्यिक कर विभाग के मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि निरीक्षकों की जिम्मेदारी है कि बकाया रिकवरी के लिए स्व प्रेरित रहकर कार्य करें। डीलर बेस बढ़ायें, टैक्स इवेजन पर प्रभावी कार्रवाई करें। देवड़ा ने कहा कि जीएसटी कलेक्शन में राजस्व निरीक्षकों की अहम भूमिका होती है। यह विभाग न केवल जीएसटी कलेक्शन करता है, बल्कि टैक्सपेयर्स को मार्गदर्शन और सहायता भी देता है। फील्ड वर्क से प्राप्त जानकारी के आधार पर रेवेन्यू जनरेट करने का काम करें। सरकार उनकी मांगों पर समय पर निर्णय लेगी। रवीन्द्र भवन भोपाल में मध्यप्रदेश वाणिज्यिक कर निरीक्षक के वार्षिक अधिवेशन एवं स्वर्ण जयंती समारोह में डिप्टी सीएम देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प 2047 में हमारा राष्ट्र विकसित राष्ट्रों में नबंर 1 पर होगा।

वसूली के लिए स्व प्रेरित होकर काम करें इंस्पेक्टर

देवड़ा ने कहा कि प्रदेश के सभी नागरिकों को टैक्स कलेक्शन के लिये मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि राजस्व निरीक्षकों की समस्या और उसके समाधान को गंभीरता से लेना चाहिये जिसे पूरी ईमानदारी से हल करना होगा। उप मुख्यमंत्री देवडा ने वाणिज्यिक कर निरीक्षकों से अपील की है कि राजस्व वृद्धि के लिये बकाया की रिकवरी में स्वयं प्रेरित रहकर कार्य करें। डीलर बेस बढ़ायें, टैक्स इवेजन पर प्रभावी कार्रवाई करें। फील्ड वर्क से प्राप्त जानकारी के द्वारा राजस्व में वृद्धि करें। उन्होंने यह भी कहा कि अपनी क्षमताओं को उन्नत करने के लिये प्रशिक्षण और विकास के साथ बेहतर सहयोग और समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य के लिये निरीक्षकों को प्रेरित और उत्साहवर्धन के साथ पुरस्कार और सम्मान भी देना चाहिए। जो भी मांगें है उसे नियमानुसार पूरी करने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने सभी राजस्व निरीक्षकों को रक्षाबंधन और 15 अगस्त की शुभकामनाएं दी।

आयुक्त बोले, अभी नया हूं, विभाग समझ लूं, फिर मांगें पूरी कराउंगा

आयुक्त वाणिज्यिक कर धनराजू एस ने कहा कि टैक्स कलेक्शन बड़ा पुराना कार्य है। समय के साथ इसमें बदलाव एवं अपेक्षा भी बदली है। वे अभी इस विभाग में नए हैं। विभागीय गतिविधियों को समझेंगे और फिर विभागीय मांग पत्र को समझ कर उसे पूरा किया जायेगा। हम सब मिलकर राजस्व कलेक्शन का दायित्व जिम्मेदारी से निभायेंगे। एक देश एक कर-एक समान कर्तव्य एवं दायित्वनिरीक्षक संघ के अध्यक्ष संदीप मीणा ने बताया प्रदेश के सभी जिला के निरीक्षक आज आए हैं। यह संगठन 400 निरीक्षकों का समूह है। आज हम 50 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। हम एक देश-एक कर-एक समान कर्तव्य एवं दायित्व के सिद्धांत पर कार्य कर रहे है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री एवं आयुक्त वाणिज्यिक कर को विभागीय कार्य सुचारू रूप से चलाने की आवश्यकताओं से अवगत कराया और समाधान का आग्रह किया।

यह हैं निरीक्षकों की मांगें

- मध्यप्रदेश वाणिज्यिक कर निरीक्षकों को जीएसटी में परिभाषित निरीक्षकों के समान कार्य दायित्व सौंपे जाएं।
- वाणिज्यिक कर निरीक्षक राज्य सिविल सेवा का स्थायी प्रकृति का कार्यपालिक पद है। इसलिए समकक्ष अस्थायी संवर्ग को समकक्षता और पदोन्नति में अलग किया जाए।
- एमपी राज्य सेवा परीक्षा नियम 2015 के 30वें क्रम के पद नायब तहसीलदार के समान 30वें क्रम के वाणिज्यिक कर निरीक्षक को राजपत्रित द्वितीय श्रेणी का अधिकारी घोषित किया जाए और वेतनमान 4200 ग्रेड पे किया जाए।
- सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी के पद पर पदोन्नति और उच्च पद का प्रभार 100 प्रतिशत राज्य कर निरीक्षकों को ही दिया जाए और पांच साल से अधिक सेवा पूरी कर चुके सभी वाणिज्यिक कर निरीक्षकों को उच्च पद का प्रभार दिया जाए।
- वाणिज्यिक कर विभाग में सामान्य प्रशासन विभाग, वित विभाग और पुलिस विभाग के समान सेवाओं में आगे बढ़ने के निर्देश जारी किए जाएं।
- वाणिज्यिक कर निरीक्षकों को उनकी पदीय गरिमा के मुताबिक दो करोड़ टर्न ओवर तक के प्रकरणों में टैक्स निर्धारण, एडज्युडिकेशन के अधिकार दिए जाएं।
- वाणिज्यक कर निरीक्षक का फील्ड अधिकारी के रूप में काम करने पर वाहन भत्ता दिया जाए और हर निरीक्षक को अलग से वाहन उपलब्ध कराया जाए।
- तिलहन संघ से संविलयन के जरिये आए निरीक्षकों को चौथे वेतनमान के बाद सीधे छठवें वेतनमान का लाभ दिया गया है। पांचवें वेतनमान का लाभ भी उनके वेतनमान में जोड़ा जाए।
- वाणिज्यिक कर निरीक्षक का नाम बदलकर सहायक राज्य कर अधिकारी रखा जाए।
- विभाग में सूचना तकनीक कर निर्धारण, आडिट पोर्टल से जानकारी डाउनलोड करने और बैंक आफिस कार्य के लिए स्टाफ की पूर्णकालिक भर्ती कर वर्तमान स्टाफ का श्रम विभाजन किया जाए।

छात्र से लूट का मास्टर माइंड निकला करीबी दोस्त

मैदान में किया था रकम का बंटवारा, पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

संजीव कुमार

भोपाल में गुरुवार को दिनदहाड़े एक छात्र से सवा 5 लाख रुपए की लूट हो गई। मोपेड सवार दो आरोपियों ने पहले छात्र की एक्टिवा को टक्कर मारकर उसे गिराया, फिर देहशत बैठाने पीठ में उल्टा चाकू मारा। इसके बाद रुपयों से भरा बैग छीनकर भाग निकले। वारदात कीलनदेव टावर चौराहे की है। छात्र बैंक से रकम निकालकर घर जा रहा था। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी छात्र का करीबी दोस्त है। उसी ने लूट की पूरी साजिश को रचा था। आरोपियों के कब्जे से लूट की रकम सवा पांच लाख रुपए, चाकू और वारदात में इस्तेमाल मोपेड जब्त कर ली है। पुलिस कमिश्नर हरीनारायणचारी मिश्र ने बताया कि मामले में छात्र की शंका के आधार पर पुलिस ने देर रात उसके करीबी दोस्त अनस अली (23) को हिरासत में लिया गया। उसने पुलिस को बताया कि दोस्त अल्ताफ अंसारी (20) निवासी ऐशबाग, अल्फाज खान (24) निवासी तलैया और अयान रियाज (20) निवासी तलैया के साथ अंजाम देने की बात स्वीकार है। उसे इस बात की जानकारी थी की फरियादी अहमद चेक केश कराने एमपी नगर शुक्रवार की दोपहर को जाएगा। लूट की रकम में से आरोपी अल्फाज ने 3 लाख रुपए अयान से एक लाख रुपए अल्ताफ से 1.25 लाख रुपए बरामद कर लिए गए हैं। वारदात के बाद आरोपियों ने रकम को भारत टॉकीज के पीछे एक मैदान में आपस में बांट लिया था। अल्फाज आधी रकम डेढ़ लाख रुपए अनस को देने वाला था।

महिला पुलिसकर्मी का बेटा है अनस

आरोपी अनस फरियादी अहमद का करीबी दोस्त है। अहमद रकम निकलाने से पूर्व अनस को अपने ही वाहन से बैंक ले गया था। यहां से उसने चेक विड्रा कर सवा पांच लाख रुपए निकाले। इसके बाद अपनी मोपेड से घर के लिए रवाना हुआ। रास्ते में अनस जरूरी काम बताकर वाहन से उतर गया। कुछ ही दूरी पर आरोपी अल्ताफ और अल्फाज ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। अनस और अयान दूर खड़े वारदात को देख रहे थे। मौके पर किसी भी तरह की गड़बड़ी होने पर यह दोनों मदद के लिए आते यह पहले से तय था।

मार्बल कारोबारी का बेटा है फरियादी

अहमद रजा 18 वर्ष का है। 12वीं पास करने के बाद इस साल ड्रॉप लिया है। पति अब्दुल सत्तार मार्बल का कारोबार करते हैं। खेती-किसानी भी है। मार्बल खरीदकर एक ग्राहक ने पिछले दिनों चेक से पेमेंट किया था। अहमद मालवीय नगर स्थित घर से यही चेक भुनाने बैंक गया था। एमपी नगर जोन-2 में बैंक से पैसे लेकर घर लौट रहा था।

पूर्व कांग्रेस विधायक समेत 5 को 2-2 साल की सजा

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश की एमपी-एमएलए कोर्ट ने पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े समेत कांग्रेस के 5 नेताओं को 2-2 साल की सजा सुनाई है। साथ ही 11-11 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने 8 साल पहले सीएम हाउस घेरने के केस में शनिवार को एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश स्वयं प्रकाश दुबे ने फैसला सुनाया।

इन्हें सुनाई सजा

विपिन वानखेड़े, पूर्व विधायक
विवेक त्रिपाठी, कांग्रेस प्रवक्ता
आशुतोष चौकसे,
प्रदेश अध्यक्ष, एनएसयूआई
आकाश चौहान,
मीडिया प्रभारी, यूथ कांग्रेस भोपाल
धनजी गिरी, सदस्य, एनएसयूआई

कोर्ट ने सजा सुनाने के बाद इन पांचों नेताओं को 30-30 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत भी दे दी। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि वे कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं और हाईकोर्ट में अपील करेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि छात्र हित की लड़ाई लड़ते आए हैं और आगे भी लड़ेंगे।

ये है पूरा मामला

मामला 2016 का है। जब नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने व्यापमं घोटाले को लेकर भोपाल में सीएम हाउस का घेराव किया था। उस समय विपिन वानखेड़े एनएसयूआई में पदाधिकारी थे और हजारों कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन में शामिल थे। तब वानखेड़े समेत इन नेताओं पर बलवा, शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने समेत अन्य धाराओं में हबीबगंज पुलिस ने केस दर्ज किया था।

पूर्व विधायक को दस महीने पहले भी हुई थी सजा

6 अक्टूबर 2023 को विधानसभा चुनाव से पहले विपिन वानखेड़े (तब आगर से विधायक थे) को एमपी-एमएलए कोर्ट ने 1 साल की सजा सुनाई थी। तब उन्हें 2 हजार रुपए जुर्माना जमा कराने के बाद 1 महीने की जमानत पर रिहा कर दिया गया था। 2011 में विपिन ने छात्र संघ चुनाव और अन्य मांगों को लेकर पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं के साथ विधानसभा का घेराव किया था। तब विपिन ने आरोप लगाया था कि इस केस में जो धाराएं लगाई गई थीं, वो गलत हैं। राज्य सरकार के दबाव में यह धाराएं लगाई गईं। वानखेड़े के अलावा इस मामले में कोर्ट ने युवा कांग्रेस नेता विवेक त्रिपाठी को भी सजा सुनाई।

मप्र के 10 आईएएस अफसरों के विभागों में बदलाव

4 साल बाद स्वास्थ्य विभाग से हटे मो. सुलेमान,अब बने कृषि उत्पादन आयुक्त; संजय दुबे से छिना गृह विभाग

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश में 10 आईएएस अफसरों के विभाग में बदलाव किए गए हैं। मो. सुलेमान को अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य से हटाकर कृषि उत्पादन आयुक्त बनाया गया है। वे मार्च 2020 से अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य के पद पर थे। प्रमुख सचिव संजय दुबे से गृह जैसा महत्वपूर्ण विभाग वापस लेते हुए उन्हें साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग भेजा गया है। कृषि उत्पादन आयुक्त और परिवहन विभाग के अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी निभा रहे अपर मुख्य सचिव एसएन मिश्रा को अब गृह विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे परिवहन विभाग का अतिरिक्त प्रभार देखते रहेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा शुक्रवार शाम को जारी आदेश में लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह के प्रमुख सचिव डीपी आहूजा को मछुआ कल्याण और मत्स्य विभाग के साथ लोक परिसंपत्ति विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। एसीएस, उच्च शिक्षा केसी गुप्ता को लोक निर्माण विभाग का एसीएस बनाया गया है।

पोरवाल को राजस्व, संदीप यादव को लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा

जीएडी द्वारा जारी आदेश में मंत्रियों के हिसाब से विभाग बंटवारा देखने को मिला है। जनसंपर्क और विमानन विभाग के प्रमुख सचिव की जिम्मेदारी निभा रहे संदीप यादव पर सरकार ने भरोसा जताते हुए उन्हें प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के साथ प्रवासी भारतीय विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। वे आयुक्त, खाद्य सुरक्षा का भी काम भी देखेंगे। विवेक पोरवाल को लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग से हटाकर राजस्व विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। पोरवाल अब राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के विभाग का जिम्मा संभालेंगे।

जनसंपर्क में प्रमुख सचिव नहीं, खाड़े को पूरे विभाग का जिम्मा

जनसंपर्क विभाग में प्रमुख सचिव का पद शुक्रवार को भी नहीं भरा गया है। सरकार ने डॉ. सुदाम खाड़े को सचिव और आयुक्त, जनसंपर्क के साथ माध्यम के प्रबंध संचालक की भी जवाबदारी सौंपी है।

दीपाली रस्तोगी पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग की पीएस

प्रमुख सचिव, सहकारिता दीपाली रस्तोगी को प्रमुख सचिव, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। अभी इस विभाग में मलय श्रीवास्तव अपर मुख्य सचिव हैं। रस्तोगी के अलावा प्रमुख सचिव आयुष और लोक परिसंपत्ति विभाग अनिरुद्ध मुकर्जी की भी जिम्मेदारी बदली है। उन्हें मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली में ओएसडी बनाया गया है।

इन अफसरों को मिला अतिरिक्त प्रभार

■अशोक वर्णवाल वन विभाग के एसीएस के साथ सहकारिता विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे।

■संजय कुमार शुक्ल मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव और महिला बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव के साथ विमानन विभाग के प्रमुख सचिव का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे।

■उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह को उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

■यूएसए में वर्ल्ड बैंक के एडवाइजर बनाए गए निकुंज श्रीवास्तव से सरकार ने राजस्व और विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग वापस ले लिया है। श्रीवास्तव अब सिर्फ खनिज साधन विभाग के प्रमुख सचिव होंगे।

राहुल गांधी की विभाजनकारी राजनीति और बेतुके तर्क

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे? वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने महाभारतकालीन चक्रव्यूह और पद्म व्यूह का सहारा लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधना चाहा है। जिस तरह से उन्होंने बजट पूर्व हलवा परम्परा में वित्तमंत्री के साथ खड़े लोगों को जाति आधारित संरचना बताया वह कहीं से भी तार्किक नहीं लगता। इस सेरेमनी में तो उस वक्त मंत्रालय के जो सीनियर अफ़सर होते हैं, वे ही मौजूद रहते हैं। इसमें जातिवाद कहाँ से आया? यह बात समझ से परे है। यही वजह है कि हलवा परम्परा की जब राहुल गांधी अपनी तरह से विवेचना कर रहे थे, तब वित्त मंत्री ने माथा पकड़ लिया था। राहुल गांधी ने जो तुलनाएँ की, वे निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है। लोकसभा में आम बजट पर चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपना पुराना आरोप नए सिरे से दोहराया कि बजट बनाने वालों में कोई एससी-एसटी और ओबीसी अधिकारी नहीं होता, उससे यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह समाज को बांटने वाली विभाजनकारी राजनीति पर अड़े हैं। इस तरह की बेतुकी बातें करते हुए वे क्यों नहीं समझना चाहते कि ऐसी स्थिति और इस तरह की परम्परा कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों के समय से ही चली आ रही है। कांग्रेस ही इसकी जिम्मेदार हैं, लेकिन वह कुछ समझने के लिए तैयार ही नहीं। राहुल गांधी एक तरह से यह कहना चाह रहे हैं कि अनारक्षित वर्गों के अधिकारी आरक्षित वर्गों के हितों की उपेक्षा करते हैं। इस तरह वे देश की परम्पराओं एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के समझे बिना ऐसा कुछ कह जाते है जो देश की एकता, अखण्डता एवं लोकतंत्रिक प्रक्रिया के विपरीत होता है। राहुल के बोलने का बचकानापन तो कभी-कभी सारी हदें पार कर जाता है। एक बार तो उन्होंने यहां तक कह दिया हैं कि उच्च जाति के शिक्षक प्रश्नपत्र बनाते हैं, इसलिए आरक्षित वर्ग के छात्र फेल हो जाते हैं। आखिर यह भड़काऊ राजनीति नहीं तो और क्या है? राहुल गांधी ने बजट पर सरकार को घेरने के लिए महाभारतकालीन घटनाओं का उल्लेख करते हुए यह भी कह डाला कि जैसे अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर लिया गया था, उसी तरह देश को भी मोदी सरकार ने घेर रखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री समेत जिन छह लोगों को इस घेराबंदी के लिए जिम्मेदार ठहराया, उसमें अंबानी-अदाणी के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भी शामिल कर लिया। उन्होंने दावा किया है कि भारत पर कब्जा करने वाले चक्रव्यूह के पीछे तीन ताकतें हैं- पहली एकाधिकार पूंजी का विचार, जिसमें दो लोगों को देश की समूची संपत्ति का मालिक बनने की अनुमति देना। दूसरा देश की संस्थाएं, एजेंसियां, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग हैं एवं तीसरी राजनीतिक कार्यप्रणाली है। इन तीनों ने मिलकर देश को तबाह कर दिया है। इस तरह के बयानों एवं बोलों से स्पष्ट है कि वह मनमाने और बेतुके तर्क देने में संकोच नहीं कर रहे हैं। वह अपनी ऐसी बातों से चर्चा में तो आ जाते हैं और उनके समर्थक उनकी वाह-वाही करने में भी जुट जाते हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह न तो समाज को कोई सही दिशा दे पा रहे हैं और न ही सरकार को कोई सार्थक सुझाव। यह स्थिति देश के लिये नुकसानदायी है, चिन्तनीय है। राहुल गांधी के रुख-रवैये एवं अतिशयोक्तिपूर्ण तर्कों से यही लगता है कि वह अभी भी चुनावी मुद्रा में हैं। अपनी चुनाव पूर्व की आक्रामकता से वे उपरत नहीं हो पाये हैं। वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। आखिर वह जो कुछ मोदी सरकार से चाह रहे हैं, उसे कांग्रेस संगठन और साथ ही अपने दल द्वारा शासित राज्य सरकारों में क्यों लागू नहीं कर रहे हैं? क्या मोदी सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक रखा है? उन्हें बताना चाहिए कि कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में बजट बनाने में आरक्षित वर्गों के कितने अधिकारियों की हिस्सेदारी होती है? वह मोदी शासन की तरह मीडिया में भी आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी कई बार उठा चुके हैं, लेकिन यह देखने को तैयार नहीं कि आखिर उनके परिवार के प्रभुत्व वाले मीडिया संस्थान में इन वर्गों के कितने लोगों की हिस्सेदारी है? लोकसभा की कार्रवाई कांग्रेसी एवं विपक्षी सांसदों के वाक आउट, हंगामे, अनर्गल बहस की भेंट चढ़ रही है। विपक्षी अपनी सार्थक भूमिका का निर्वहन करने की बजाय लगातार सत्तापक्ष को घेरने एवं आरोप-प्रत्यारोप की घटिया राजनीति में लगा है। जिससे सरकार को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। देश भी इन त्रासद घटनाओं से कुछ हासिल नहीं कर पा रहा है। आखिर सरकार करे, तो क्या करे? उसने हर सत्र के शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठकें करके देख ली। दोनों सदनों के अध्यक्ष और उप-सभापति ने बारंबार समझा-समझाकर सहयोग की अपील कर ली। प्रधानमंत्री ने भी बार-बार सदस्यों से सदन को शांतिपूर्वक बहस के जरिये चलने-चलाने की विनम्र अपील कर डाली। बावजूद इसके एनडीए को सत्ता के आरंभ 2014 से अभी तक विपक्ष का सहयोग नहीं मिल पाया है। संसद के सत्रों की ही भांति नीति आयोग की बैठक का भी लगभग सभी विपक्षी दलों ने बहिष्कार कर दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री आईं जरूर, लेकिन उन्होंने भी यह आरोप लगाकर बाहर का रास्ता नापा कि उनको बोलने नहीं दिया गया, माइक बंद कर दिया गया। हालांकि, सरकार ने इससे इनकार किया है।

सपांदकीय

संसद में जाति पर जारी सियासी जंग के राजनीतिक मायने को ऐसे समझिए

वैदिक या सनातन सभ्यता-संस्कृति में जो %जाति% कार्यकुशल जनसमूह की कार्यदक्षता की निशानी समझी जाती थी और राष्ट्रीय उत्पादकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती आई थी, वही जब लोकतांत्रिक या संवैधानिक सभ्यता-संस्कृति में व्यापक विवाद का वाहक बनकर दिन-प्रतिदिन अनुत्पादक प्रतीत होने लगे, तो देश व समाज के प्रबुद्ध लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। इसलिए आज संसद में जाति के सवाल पर भाजपा नीत एनडीए और कांग्रेस नीत इंडिया ब्लॉक के बीच जो सियासी जंग छिड़ी हुई है, उसके पीछे के राजनीतिक मायने को समझने और आमलोगों को समझाने की जरूरत है। पहला, चूंकि राजनीतिक दलों के लिए जाति अब सामाजिक ध्रुवीकरण का औजार और सियासी गोलबंदी का हथियार बन चुकी है, इसलिए उसे सकारात्मक नजरिए से देखे जाने की जरूरत है, न कि नकारात्मक तरीके से। हां, अब जाति के परिप्रेक्ष्य में वह मुद्दा उठाने की जरूरत है, जिससे राजनीतिक दल और उसके %चतुरसुजान% नेता अब तक बचते आए हैं। जैसे- साधुओं की जाति, वर्णसंकर लोगों की जाति और अंतरधार्मिक विवाह रचाने वाले लोगों और उनकी संततियों के धर्म का मुद्दा आदि सबसे अहम है। दूसरा, जातीय या धार्मिक आरक्षण को भी सकारात्मक दृष्टिकोण से देखे जाने की दरकार है, न कि नकारात्मक तौर पर। क्योंकि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत में जाति और धर्म को लेकर जितने भी कानून बनाए गए, वो सब अंतर्विरोधाभाषों से भरे पड़े हैं। जिसकी वजह से उनमें स्पष्टता का अभाव तो है ही, लोकतंत्र की मूल भावना स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व भी नदारत है। इस स्थिति के लिए हमारे राजनेता और नौकरशाह दोनों ही जिम्मेदार हैं। लेकिन इस स्थिति को बदलने का साहस किसी भी राजनीतिक दल में नहीं दिखा, जिससे राष्ट्रीय हित और पेशेवर गुणवत्ता गहरे तक प्रभावित होती आई है जिससे वैश्विक मुकाबले में भारत पिछड़ता चला आया। तीसरा, जाति और धर्म के आधार पर बने कानूनों में व्याप्त विसंगतियों और इससे प्रभावित हो रहे सामान्य जनजीवन के खिलाफ स्वत: संज्ञान न लेकर न्यायविदों ने भी कालीदासी विद्वत्ता का ही परिचय दिया है। जिस देश में वह लोकतांत्रिक न्याय दे रहे हैं, वहीं पर जब कानूनी व न्यायिक प्रावधान व्यक्ति विशेष की स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व की पारस्परिक भावना को मुंह चिढ़ाने लगें, तो समझा जा सकता है कि मत समानता रहने के बावजूद पीड़ित व प्रभावित व्यक्ति कितना असहाय महसूस कर रहा होगा।

भोपाल रीवा सुपर फास्ट एक्सप्रेस का शुभारंभ

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल स्टेशन पर दिखाई हरी झंडी, 70 फीसद सीटें फुल

न्यूज क्राइम फाइल

रीवा के लिए रेलवे ने एक और ट्रेन की सौगात दी है। इसको 2 अगस्त को भोपाल से रात 11 बजे भोपाल से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन सुबह करीब 8:30 बजे रीवा पहुंचेगी। बता दें कि रेल मंत्री ने इस ट्रेन की स्वीकृति दी थी। भोपाल में विंध्य क्षेत्र संख्या लाखों में है। जिसको लेकर लगातार यात्रियों को रीवा सतना या वहां के अन्य जिलों में जाने के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। गाड़ी संख्या 22145/22146 भोपाल-रीवा-भोपाल सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन का भोपाल से प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार और रीवा से शनिवार एवं सोमवार को नियमित रेलसेवा के तौर पर संचालन किया जाएगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ,खेल एवं युवक कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवान दास सबनानी, विष्णु खत्री, भोपाल के सांसद आलोक शर्मा, होशंगाबाद सांसद दर्शन सिंह और महापौर मालती राय उपस्थित थीं। प्रधानमंत्री मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि रीवा के लिए वायुयान सुविधा भी उपलब्ध है। गंभीर रोगियों, पर्यटकों श्रद्धालुओं आदि के लिए प्रदेश के अन्य नगरों के मध्य भी विभिन्न माध्यमों से कनेक्टिविटी प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि पूर्व में रेल मंत्री के क्षेत्र में ही रेल सुविधाएं बढ़ाई जाती थी। गत 10 वर्ष से इस परिपाटी को बदल दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रानी कमलापति के नाम से सुविधायुक्त रेलवे स्टेशन की सौगात भोपाल को दी थी। अब भोपाल मुख्य स्टेशन का विकास भी तेजी से हो रहा है। इसके अलावा विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि इस ट्रेन के नाम के लिए हम विंध्य एक्सप्रेस नाम रखने का प्रस्ताव देंगे।

जनता की सुविधा और विकास भाजपा सरकार की प्राथमिकता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने भोपाल-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन सेवा का शुभारंभ करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जन सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रदेश का विकास भाजपा सरकार की प्राथमिकता है और भाजपा की डबल इंजन सरकार लगातार इसी दिशा में कदम बढ़ा रही है। शर्मा ने आशा जताई कि नई रेल सेवा यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ विंध्य क्षेत्र के विकास को भी गति प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि रेवांचल एक्सप्रेस भोपाल से रीवा के लिए इकलौती सीधी रेल सेवा रही है, जिस पर यात्रियों के दबाव को देखते हुए विंध्य क्षेत्र के लोगों द्वारा लंबे समय से अतिरिक्त ट्रेन की मांग की जा रही थी।

70 फीसद ऑक्यूपेंसी के साथ रवाना हुई ट्रेन

भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि इंनॉग्रल रन के दिन रवाना हुई इस ट्रेन में करीब 550 से अधिक पैसेंजर गए हैं। इसमें करीब 900 से अधिक सीट्स थीं, इस तरह से यह करीब 70 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ रवाना हुई है। जो कि किसी भी ट्रेन के लिए एक अच्छी ऑक्यूपेंसी मानी जाती है। फिलहाल यह ट्रेन सप्ताह में 2 दिन चलेगी। भोपाल से यह ट्रेन शुक्रवार और रविवार को रात्रि 10.30 बजे चलेगी और रानी कमलापति, इटारसी, जबलपुर होकर अगले दिन प्रात: 8.05 बजे रीवा पहुंचेगी। इसी तरह यह ट्रेन रीवा से शनिवार और सोमवार की रात्रि 11 बजे चलेगी तथा प्रात: 9.15 बजे भोपाल पहुंचेगी।

सिर्फ एक 2 ट्रेन के भरोसे 4 लाख की आबादी

विंध्य महिला जागृति मंच की संयोजक वंदना द्विवेदी ने बताया कि हम लगातार रेलवे नई ट्रेन चलाने की मांग कर रहे थे। भोपाल में विंध्य क्षेत्र की करीब 4 लाख की आबादी रहती है, जो सिर्फ रेवांचल एक्सप्रेस के भरोसे है। हालांकि रेलवे ने वंदे भारत की सौगात दी है, मगर यह यहां रहने वाली आबादी के लिए पूरी नहीं है। गर्मियों में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग ट्रेन में रिजर्वेशन नहीं मिलने से से परेशान और बीमार हो रहे हैं।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441

संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455

email: newscrimefile@yahoo.com

एक थप्पड़ का बदला लेने किया था मर्डर

9वीं के छात्र की हत्या करने वाले का कबूल नामा...

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के अर्जुन नगर में गुरुवार रात 9वीं के छात्र ब्रजकांत पांडे (16) की हत्या करने वाले आरोपी सोनू बाथम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने बताया है कि सिर्फ एक चांटे का बदला लेने उसने छात्र को मौत के घाट उतार दिया। उसने गुरुवार दोपहर को हुए विवाद के बाद सोनू को चांटा मारा, इसके बाद पत्थर फेंककर मारा था। सोनू ने पुलिस को बताया था कि क्षेत्र में उसका वर्चस्व है, ब्रजकांत की हरकत से उसकी बेइज्जती हो गई थी। तभी उसने ठान लिया था कि किसी भी हालत में वह ब्रजकांत को जिंदा नहीं छोड़ेगा। सही मौका देखते ही उसने सूजे से नाबालिग के सीने में वार कर दिया। उसे यकीन था कि सूजे के वार से ब्रजकांत बचेगा नहीं। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। टीआई मनोज पटवा ने बताया कि फिलहाल औजार की जब्ती नहीं की जा सकी है। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में भी सूजानुमा चीज से वार किए जाने की पुष्टि हुई है।

अड़ीबाजी के केस में आरोपी रहा है मृतक

डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया, 'ब्रजकांत (16) और आरोपी सोनू बाथम (18) के बीच वर्चस्व को लेकर विवाद था।

दोनों अर्जुन नगर बस्ती के फेस वन में रहते हैं। गुरुवार दोपहर उनके बीच झगड़ा हो गया। ब्रजकांत ने सोनू को पहले चांटा फिर पत्थर मार दिया था। मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया। बाद में सोनू अपने पिता के साथ शिकायत लेकर टीटीनगर थाने पहुंचा। पीछे से ब्रजकांत भी आ गया। यहां भी दोनों के बीच बहस हुई। पुलिस ने ब्रजकांत को हिरासत में लेकर पिता को कॉल किया। उन्हें थाने आने के लिए भी कहा। ब्रजकांत के पिता ने आने में असमर्थता जताई। उन्होंने यहां तक कह दिया कि चाहें तो बेटे को जेल भेज दो। अन्य रिश्तेदारों को भी कॉल किया, उन्होंने भी आने से इनकार कर दिया। बाद में ब्रजकांत को क्षेत्र में ही रहने वाले भूरा, सोनू और उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। दोनों पक्षों को समझाइश भी दी।

सबक सिखाने की नीयत की हत्या

सोनू ने ब्रजकांत को सबक सिखाने का मन बना लिया। रात करीब 10:30 बजे ब्रजकांत घर के पास खड़ा था। इसी दौरान सोनू ने उस पर नुकीले हथियार से वार कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना के बाद दोनों पक्ष के लोग आमने-सामने हो गए। समझाइश देकर मामला शांत कराया। लहूलुहान हालत में घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। ब्रजकांत पर भी अड़ीबाजी का केस दर्ज है। वहीं, आरोपी सोनू पर भी चार से पांच केस हैं।

पिता बोले- इकलौता बेटा था

ब्रजकांत के पिता ब्रजलोचन पांडे ने बताया, 'ब्रजकांत पांडे प्राइवेट स्कूल में 9वीं की पढ़ाई कर रहा था। मैं वन विभाग में फोर्थ क्लास कर्मचारी हूं। ब्रजकांत इकलौता बेटा था। दो अन्य बेटियां भी हैं। बस्ती में रहने वाला सोनू बाथम आपराधिक प्रवृत्ति का है। दोपहर में पुलिस ने कॉल कर बेटे को पकड़ने की बात बताई। मैं उस वक्त ऑफिस में था। शाम तक थाने आने की बात कही। इस बीच, पुलिस ने बेटे को भूरा और सोनू को सौंप दिया। इसकी जानकारी हमें नहीं थी। रात में बेटे का शव मिला। सीने पर गुप्ती या पेंचकस जैसे हथियार से वार किए जाने का निशान था।'

पुलिस पर भी लगाया आरोप

ब्रजलोचन पांडे का कहना है- पुलिस ने बताया था हम जैसा बताएंगे। वहीं, एफआईआर में लिखवाना होगा। उन पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई होना चाहिए। जिन्होंने बेटे को थाने में रखा। हमें बिना सूचना दिए उसे आरोपियों को सौंप दिया। सब पर कार्रवाई होनी चाहिए।

30 हजार की रिश्वत लेते श्रम निरीक्षक पकड़ाया

न्यूज क्राइम फाइल

सागर लोकायुक्त ने 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए श्रम विभाग सागर के श्रम निरीक्षक को पकड़ा है। पानी के आरओ प्लांट का निरीक्षण करने के बाद कार्रवाई नहीं करने के एवज में 60 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। मामले में लोकायुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए श्रम निरीक्षक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता देवांशु चौबे निवासी आनंद नगर मकरोनिया का सेमरा बाग में पानी का आरओ प्लांट है। प्लांट का निरीक्षण करने के लिए श्रम विभाग सागर के श्रम निरीक्षक लालमणि सिंह चंदेल टीम के साथ पहुंचे थे। उन्होंने आरओ प्लांट का निरीक्षण कर कार्रवाई करने की बात कही। साथ ही उन्होंने कार्रवाई नहीं करने के एवज में 1 लाख रुपए की रिश्वत मांगी। बाद में 60 हजार रुपए में बात पक्की हुई। रिश्वत मांगे जाने से परेशान होकर देवांशु चौबे ने 19 जुलाई को लोकायुक्त एसपी कार्यालय सागर में शिकायत की। शिकायत मिलते ही लोकायुक्त टीम ने जांच शुरू की। जांच में शिकायत सही पाई गई। इसी बीच 30 हजार रुपए अभी और 30 हजार रुपए अगले महीने देने की बात हुई।

टेबल पर रिश्वत की राशि रखते ही पहुंची टीम

जिस पर शुक्रवार की शाम लोकायुक्त की टीम कार्रवाई के लिए रवाना हुई। शिकायतकर्ता देवांशु को रिश्वत के 30 हजार रुपए लेकर श्रम विभाग कार्यालय में भेजा। देवांशु कार्यालय में पहुंचा और रिश्वत की राशि श्रम निरीक्षक लालमणि चंदेल की टेबल पर रख दी। तभी लोकायुक्त की टीम मौके पर पहुंची और श्रम निरीक्षक लालमणि को रिश्वत की राशि के साथ पकड़ लिया। लोकायुक्त डीएसपी मंजू सिंह ने बताया कि श्रम विभाग के श्रम निरीक्षक लालमणि सिंह को 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। वह आरओ प्लांट पर कार्रवाई नहीं करने के एवज में रिश्वत की मांग कर रहे थे। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

51 साल के शूटर ने बिना तैयारी जीता सिल्वर

हकीकत- 2008 से ओलिंपिक खेल रहा, इयरबड्स भी लगाए थे

न्यूज क्राइम फाइल

तुर्किये के 51 साल के शूटर यूसुफ डिकेक इन दिनों सोशल मीडिया स्टार बन चुके हैं। उन्होंने पेरिस ओलिंपिक के 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में 31 जुलाई को सिल्वर मेडल जीता था। इस इवेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह दावा किया जा रहा है कि यूसुफ ने बिना खास तैयारी और बिना शूटिंग किट का इस्तेमाल किए यह सफलता हासिल की। कहा जा रहा है कि यूसुफ ने शूटिंग इवेंट के फाइनल में अपनी पिस्टल थामी, जेब में एक हाथ रखा और साथी प्लेयर सेवाल इलायदा तरहान के साथ देश को ओलिंपिक सिल्वर दिला दिया। यहां तक कहा जा रहा है कि वह अनुभवहीन हैं और पहली बार ही ओलिंपिक खेलने उतरे थे। जबकि हकीकत यह है कि यूसुफ 2008 से ओलिंपिक खेल रहे हैं। यह उनका 5वां ओलिंपिक है और उन्होंने शूटिंग के एक इक्विपमेंट का इस्तेमाल किया था। उन्होंने बाहरी आवाज को कैंसिल करने के लिए पीले रंग का छोटा इयरप्लग पहना था। सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि यूसुफ आंख और कान के प्रोटेक्टिव गियर यानी शूटिंग किट पहने बिना ही शूटिंग करने उतर गए।

हकीकत- इयरप्लग पहनकर उतरे थे यूसुफ

हालांकि सच यह है कि यूसुफ ने छोटे-छोटे इयरप्लग का इस्तेमाल जरूर किया था, जिससे वह बाहरी आवाज को अनसुना कर सके। फोटो और वीडियो में इयरप्लग दिख नहीं रहे थे, इसीलिए यूजर्स ने मान लिया कि यूसुफ बिना शूटिंग किट के उतरे थे। नीचे दिए फोटो में साफ तौर पर नजर आ रहा है कि यूसुफ ने इयरप्लग का इस्तेमाल किया था। उनकी पार्टनर ने तो पूरी शूटिंग किट यूज की थी। इस एंगल से देखने पर साफ नजर

आ रहा है कि यूसुफ डिकेक (दाएं) ने पीले रंग के इयरबड्स पहने हैं। हालांकि बंदूक के अलावा यह उनका इकलौता शूटिंग गियर रहा। इस एंगल से देखने पर साफ नजर आ रहा है कि यूसुफ डिकेक (दाएं) ने पीले रंग के इयरबड्स पहने हैं। हालांकि बंदूक के अलावा यह उनका इकलौता शूटिंग गियर रहा। तुर्किये के यूसुफ पहली बार ओलिंपिक नहीं खेल रहे। उन्होंने 2008 में पहली बार बीजिंग ओलिंपिक में हिस्सा लिया था। हालांकि उन्हें 16 साल में अब जाकर कामयाबी मिली। 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में सिल्वर मेडल, उनके करियर का पहला ही ओलिंपिक मेडल है। इतना ही नहीं, यह तुर्किये का भी शूटिंग इतिहास में पहला ही ओलिंपिक मेडल रहा। यूसुफ अपनी साथी तरहान के साथ सर्बिया की जोड़ी से महज 2 पॉइंट के अंतर से गोल्ड हार गए। सर्बिया के डामिर मिकेक और जोराना अरुणोविक की जोड़ी ने 16-14 के अंतर से गोल्ड मेडल जीता। इसी इवेंट में भारत की मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

क्या होता है शूटिंग किट में?

शूटिंग किट में 2 इक्विपमेंट का इस्तेमाल होता है। एक चश्मा और दूसरा हेडफोन। चश्में में 2 लेंस होते हैं, पहला लेंस ब्लर विजन को दूर करता है और दूसरा लेंस टारगेट पर कॉन्सनट्रेशन देता है। वहीं हेडफोन से नॉइस कैंसिलेशन होता है, यानी शूटर को बाहरी आवाज नहीं आती।

यूजर्स बोले- क्या तुर्किये ने हिटमैन भेजा?

सोशल मीडिया पर यूजर्स का कहना है कि यूसुफ ने एक भी शूटिंग किट का इस्तेमाल किए बिना सिल्वर मेडल जीत लिया। इसी कारण वह वायरल भी हो रहे हैं। उनका एक फोटो सामने आया, जिसमें यूसुफ एक सफेद टी-शर्ट पहने नजर आए, उन्होंने एक हाथ अपनी जेब में रखा और निशाना साधते हुए मेडल जीत लिया। सोशल मीडिया पर यूजर्स अब मजाकिया कॉमेंट से उन्हें और फेमस बना रहे हैं। एक यूजर ने पूछा, क्या तुर्किये ने ओलिंपिक में हिटमैन भेजा है? हिटमैन यानी प्रोफेशनल शूटर, जिसे किसी इंसान को मारने के लिए पैसे दिए जाते हैं। एक यूजर ने लिखा, तुर्किये ने 51 साल का युवा भेजा, जिसने बगैर स्पेशल लेंस और इयर प्रोटेक्शन के सिल्वर जीत लिया। जिस पर एक्स के मालिक इलॉन मस्क ने भी जवाब देते हुए नाइस यानी शानदार कहा।

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही तेजी: सोना 2,261 रुपए बढ़कर फिर 70 हजार रुपए के पार निकला, चांदी 2,230 रुपए महंगी हुई

न्यूज क्राइम फाइल

इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 27 जुलाई को सोना 68,131 रुपए पर था, जो अब (3 अगस्त) को 70,392 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 2,261 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। वहीं चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को 81,271 रुपए पर थी, जो अब 83,501 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। वहीं इस हफ्ते इसकी कीमत 2,230 रुपए बढ़ी है। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 64,850 रुपए

और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 70,730 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 64,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 70,580 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 64,700 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 70,580 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 64,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 70,360 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 64,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 70,630 रुपए है।

इस साल अब तक 7,040 रुपए से ज्यादा बढ़ चुके हैं सोने के दाम

इस साल अब तक सोने के दाम 7,040 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,352 रुपए पर था। जो अब 70,392 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है।वहीं चांदी साल की शुरुआत में 73,395 रुपए प्रति किलो पर थी। ये अब 83,501 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, चांदी इस साल 10,106 रुपए बढ़ चुकी है।

भदभदा के 6, कलियासोत डैम 13 गेट खुले...

कोलार के भी 4 गेट खोले गए, शहर की कई सड़कें हुई जलमग्न, आवाजाही में हुई दिक्कत

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में तेज बारिश का दौर जारी है। गुरुवार-शुक्रवार की रात से ही रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। बारिश के चलते शहर की अनेक इलाकों की सड़कों की हालत खराब हो गई है, आलम यह है कि यहां पर लोगों को आवाजाही में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है, जिसमें खास तौर पर सिंधी कॉलोनी, छोला पुलिया, नादरा बस स्टैंड आदि पर हालत खराब दिखी, यहां लोगों को आने जाने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। दूसरी तरफ शुक्रवार सुबह बड़ा तालाब फुल हो गया और भदभदा डैम के गेट खोलने पड़े। दोपहर में 11 में से 5 गेट खोल दिए गए हैं। वहीं, कलियासोत डैम के सभी 13 गेट खोल दिए गए हैं। बड़ा तालाब, भदभदा और कलियासोत डैम एक-दूसरे से कनेक्ट है। भोपाल के पास कोलार डैम के भी 8 में से 4 गेट खोले गए हैं। मौसम विभाग ने भोपाल में आज भारी बारिश होने का अलर्ट भी जारी किया है। दोपहर साढ़े 3 बजे तक कलियासोत डैम के सभी 13 गेट खोल दिए गए। डैम प्रभारी नितिन कुहीकर ने बताया कि डैम में पानी का लेवल 503.4 मीटर रख रहे हैं। इसलिए इतना पानी मेंटेन करके बाकी पानी को गेट के माध्यम से छोड़ रहे हैं। केरवा डैम अभी करीब 30 प्रतिशत खाली है।

यहां की सड़कें हुई बेहाल

बारिश के बाद अशोक गार्डन थाना, 80 फिट रोड से सेमरा जाने के लिए जो मेन रोड उसकी स्थिति बदतर हो गई है। ये वार्ड 38 के हाल हैं। जहां सड़क पहले से गड्ढों में तब्दील है। इसमें बारिश का पानी इकट्ठा हो गया है। राहगीरों को हर कदम पर परेशानी उठानी पड़ रही है। साथ ही यहां के लोगों का कहना है की बारिश होने के बाद कुछ ही देर में सड़को में घुटनों तक पानी भर जाता है। और आए दीन दुर्घटनाएं होती रहती है। इसके अलावा काजी कैंप, बैरागढ़, ऐशबाग, भारत टॉकीज आदि की सड़कों की भी हालत खराब है।

सेफिया पर नहीं भरा पानी

सामान्य बारिश में तालाब के जैसे भरने वाली सड़क सैफिया कॉलेज रोड पर इस बार बारिश के पानी का जल भराव नहीं हुआ है। संभवत यह पहला मौका है जब भोपाल में बीती रात से हो रही लगातार बारिश के बाद भी सैफिया कॉलेज रोड पर जल भराव नहीं हुआ है। आसपास के दुकानदारों ने बताया कि बारिश हुई जरूर 10 घंटे से अधिक हुई मगर धीमीं बारिश के चलते पानी नहीं भरा, अगर तेज होती तो तुरंत ही भर जाती है। वहीं 11 मील इलाके में भी कई जगहों पर जल भराव की स्थिति बन गई। इसके अलावा ट्रैक्टर एजेंसी में भी पानी भर गया।

सिंधी कॉलोनी चौराहे पर आवाजाही में हुई दिक्कत

पुराने भोपाल के सिंधी कॉलोनी चौराहे पर पिछले 30 घंटे से सड़क पर 1 फीट पानी भरा हुआ है। इसके चलते यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को तो परेशान होना ही पड़ रहा है, उनके अलावा सड़क किनारे बने एक प्राइवेट हॉस्पिटल के मरीजों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह अस्पताल के ठीक सामने सड़क पर एक फिट पानी जमा होना है।

नादरा बस स्टैंड की हालत खराब

नादरा बस स्टैंड से स्टेशन जाने वाली सड़क पर गाड़ी की आवाजाही इक्का दुक्का ही रही, यहां पर करीब 2 फीट से अधिक पानी सड़क पर भरा था, जिसमें अधिकतर भारी वाहन ही गुजरते नजर आए, इसके अलावा नादरा बस स्टैंड के सामने भी पानी भर गया। जिससे बस स्टैंड की बिल्डिंग में आने जाने वाले लोगों को पीछे का रास्ता इस्तेमाल करना पड़ा। यहां पर नाले का पानी भरने की वजह से बदबू से भी हाल बेहाल रहा। इससे पहले भोपाल में पिछले 24 घंटे में 3.4 इंच बारिश हो गई। गुरुवार से ही भोपाल में बारिश हो रही है, जो शुक्रवार दोपहर तक जारी है। भोपाल में अब तक 28.25 इंच बारिश हो चुकी है, जो सीजन की 70 प्रतिशत से अधिक है। कैचमेंट एरिया में तेज बारिश होने और कोलांस नदी के लेवल से ऊपर बहने की वजह से बड़ा तालाब फुल हो गया। सुबह 9.10 बजे महापौर मालती राय, एमआईसी मेंबर रवींद्र यति ने पूजा-अर्चना के बाद एक गेट खोला। दोपहर 12 बजे तक 5 गेट खोल दिए गए। बारिश से घुंसी नदी भी उफान पर है।

कलियासोत डैम के भी गेट खोलने पड़े

भदाभदा डैम से छोड़ा गया पानी कलियासोत डैम में पहुंचा। इस कारण इसके गेट भी बारी-बारी से खोलने पड़े। डैम के 13 गेट खुले हुए हैं। आधा-आधा फीट पानी छोड़ा जा रहा है। पानी छोड़े जाने के बाद दामखेड़ा समेत अन्य निचले इलाकों में नजर रखी जा रही है। पिछले 2 साल से इन इलाकों में नदी का पानी भर रहा है। निगम के फायर फाइटर पंकज खरे ने बताया कि नदी से जुड़े इलाकों में नजर रख रहे हैं। मुनादी भी कराई गई है।

कोलार डैम के 8 में से 4 गेट खुले

भोपाल के पास कोलार डैम के भी 8 में से 4 गेट खुल चुके हैं। सभी गेट कुल 7 मीटर खोले गए हैं। डैम प्रभारी हर्षा जैनवाल ने बताया कि कैचमेंट एरिया में लगातार बारिश हो रही है। इस वजह से कोलार डैम में पानी भी बढ़ रहा है। इसलिए चार गेट खोल दिए गए हैं।

भोपाल के कई इलाकों में पानी भरा

तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। कोलार में जेके हॉस्पिटल रोड पर भी पानी भर गया। अयोध्या बायपास, विदिशा रोड, होशंगाबाद रोड, कटारा हिल्स समेत कई इलाकों में सड़कों पर जलभराव की स्थिति है। भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब में पानी का लेवल 1666.80 फीट तक पहुंच गया। यह तालाब का फुल टैंक लेवल है।

अगस्त में 14 दिन बारिश का ट्रेंड, दो दिन में 3.4 इंच पानी गिरा

अगस्त के महीने में भोपाल में एवरेज 14 दिन बारिश होने का ट्रेंड है। इस महीने 13 इंच पानी बरसता है। इस बार पहले ही दिन गुरुवार शाम तक 40 मिमी यानी, डेढ़ इंच बारिश हो गई। वहीं, शुक्रवार सुबह तक 3.4 इंच पानी गिर गया। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन तक तेज बारिश होने का अनुमान जताया है। ऐसे में ओवरऑल बारिश का आंकड़ा 30 इंच के पार हो सकता है।

बड़ा तालाब में तेजी से बढ़ा पानी

भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब में गुरुवार शाम तक पानी का लेवल 1666 फीट था, जो शुक्रवार सुबह तक फुल हो गया। रात में ही 0.80 फीट पानी आ गया था। सुबह भी तेजी से पानी बढ़ रहा था। इसलिए गेट खोलने पड़े। बता दें कि भोपाल की तीन वाटर बॉडी यानी, बड़ा तालाब, भदभदा और कलियासोत डैम एक-दूसरे से जुड़े हैं। कोलांस नदी का पानी सबसे पहले बड़ा तालाब में पहुंचता है।

वर्तमान में तीनों डैम की स्थिति

कोलार- 8 में से 4 गेट- कुल 7 मीटर खुले हैं।

भदभदा- 11 में से 5 गेट- प्रत्येक से 12 एमसीएफटी पानी छोड़ा जा रहा।

कलियासोत- 13 में से सभी गेट खोले। आधा मीटर खुले हैं।

सागर में ट्रक ने कार को मारी टक्कर, 5 लोगों की मौत

सभी मृतक एक ही परिवार के, जेसीबी-सब्बल से कार के गेट तोड़कर निकालने पड़े शव

न्यूज क्राइम फाइल

सागर में ट्रक और कार की आमने-सामने से टक्कर हो गई। हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक गंभीर है। सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक कार के ऊपर चढ़ गया। इसे जेसीबी की मदद से हटाकर सब्बल की मदद से कार के गेट तोड़े गए। तब लोगों को निकाला जा सका। हादसा शुक्रवार शाम करीब साढ़े 6 बजे सानौधा थाना इलाके में सागर-गढ़ाकोटा रोड पर हुआ।

घर लौट रहे थे, ड्राइवर फरार

थाना प्रभारी गौरव गुप्ता ने बताया कि कार में 6 लोग सवार थे। परिवार सागर में निजी काम पूरा कर अपने घर परसोरिया लौट रहा था। इसी दौरान जटाशंकर घाटी के पास दमोह की ओर से आ रहे ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। राजस्थान पासिंग ट्रक का ड्राइवर भाग निकला। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है।

हादसे में इनकी गई जान

एक्सीडेंट में सागर के परसोरिया निवासी समाजसेवी सुरेश जैन के परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में उनकी पत्नी प्रभा जैन (60), मझला बेटा संदेश जैन (38), संदेश की पत्नी निधि (32), छोटी बहू नैंसी पति शैलेंद्र जैन (30) और नाती उत्कर्ष पिता शैलेंद्र जैन (6) शामिल हैं। कार चला रहे ड्राइवर बबलू पिता अजीत खान (40) को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर है।

बहू के बीमार पिता को देखने गए थे

पुलिस के मुताबिक, जैन परिवार की छोटी बहू नैंसी जैन के बीमार पिता सागर में निजी अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हीं को देखने के लिए सभी लोग सागर गए थे। घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। सूचना मिलते ही नरयावली विधायक प्रदीप लारिया भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने एसपी से बात कर पूरा मामला जाना। घायल ड्राइवर को अस्पताल पहुंचाने में मदद भी की।

जादू-टोने के शक में बुजुर्ग को 3 गोलियां मारीं

■खजुराहो में बीच सड़क किया मर्डर; बेटी की मौत का जिम्मेदार मानता था आरोपी

■आरोपी कह रहे थे कि हम लोगों ने टोटका किया हैं, इसलिए उनकी बेटी की जान चली गई

न्यूज क्राइम फाइल

खजुराहो में बीच सड़क एक 65 साल के बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या कर दी गई। तीन आरोपियों ने चार राउंड फायर किए। बुजुर्ग को तीन गोलियां लगीं। आरोपियों को शक था कि बुजुर्ग के टोटके के कारण उनकी बेटी की एक साल पहले मौत हो गई थी। मामला बमीठा थाना क्षेत्र के भियाताल गांव में शुक्रवार दोपहर की है। मृतक बुजुर्ग का नाम बट्ट यादव (65) है। वारदात के बाद से ही आरोपी फरार है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

परिजन बोले-फायरिंग की आवाज सुनकर हम भागे

मृतक के भतीजे देवी सिंह यादव ने बताया कि चाचा बद्दू लाल यादव घर से खेत पर भैंस चराने जा रहे थे। वे रास्ते में नाले के पास पहुंचे ही थे तो तीन आरोपियों सियाराम यादव, राम सेवक यादव और चंद्रभान यादव ने फायरिंग शुरू कर दी। चाची नाले के पास ही नहा रही थी। वह दौड़कर मौके पर पहुंची। फायरिंग की आवाज सुनकर हम भी भागे। तब तक आरोपी वहां से फरार हो गए।

बेटा बोला-एक साल पुरानी रंजिश

बुजुर्ग के बेटे मंगल सिंह यादव ने बताया कि उनकी लड़की एक साल पहले मर गई थीं। आरोपी कह रहे थे कि हम लोगों ने टोटका किया हैं, इसलिए उनकी बेटी की जान चली गई। उन लोगों ने पिताजी की हत्या कर दी। हम उनको छोड़ेंगे नहीं।

पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी

छतरपुर के एडिशनल एसपी विक्रम सिंह ने बताया कि भियाताल गांव में फायरिंग की जानकारी मिली थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किसी पुरानी बात को लेकर विवाद था। अभी सिर्फ एक आरोपी का चेहरा सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। आरोपियों की तलाश की जा रही हैं।

ताने मारे तो किया भाभी-दो भतीजियों का मर्डर...

न्यूज क्राइम फाइल

सागर के नेपाल पैलेस में महिला और दो बेटियों का कातिल उसका देवर ही निकला है। ताना मारने पर उसने भाभी, भतीजियों की हत्या की थी। पहले भाभी को हंसिये से मारा। बचाने आई बड़ी भतीजी पर भी हंसिया लेकर टूट पड़ा और 7 से 8 वार किए। दोनों की हत्या करने के बाद वह किचन से बेडरूम में पहुंचा और रो रही छोटी भतीजी पर पत्थर पटककर उसको मार डाला। आरोपी ने खून लगे कपड़े और हंसिया बाथरूम में जाकर बाल्टी में रख दिया। फिर बड़े भाई के कपड़े पहनकर हत्याकांड को लूट दिखाने के लिए अलमारी में रखे गहने और कैश लेकर भाग निकला। आरोपी पीडब्लूडी कर्मचारी है। पुलिस ने गहने बेचने में आरोपी का साथ देने वाले दोस्त को भी गिरफ्तार किया है।

वंदना, मृतक

अन्विका, मृतक

अवंति, मृतक

दोस्त ने गहने बेचने में मदद की

सागर में सिविल लाइन के नेपाल पैलेस इलाके में 30 जुलाई की रात वंदना पटेल (35), बड़ी बेटी अवंतिका (7) और छोटी बेटी अन्विका पटेल (3) के शव मिले थे। मां, बड़ी बेटी के शव किचन में पड़े थे तो छोटी बेटी का शव बेडरूम में मिला था। पुलिस ने गुरुवार को मामले का खुलासा करते हुए आरोपी देवर प्रवेश पटेल (30) और उसके दोस्त प्रकाश पटेल (27) को अरेस्ट किया है। प्रवेश दमोह में पीडब्लूडी में नौकरी करता है और दमोह के सरखड़ी में रहता है। प्रकाश सागर के ही अहमदनगर का रहने वाला है। प्रभारी एसपी डॉ. संजीव उईके के मुताबिक, प्रवेश के पास से बड़े भाई विशेष की टी-शर्ट, लोअर, डोरमेट, हंसिया, पत्थर का बट्टा, सोने का हार, चांदी की 4 चूड़ियां, 10 हजार रुपए कैश और स्कूटी जब्त की गई है। प्रकाश हत्याकांड में सीधे तौर पर शामिल नहीं था, उसने गहने बेचने में मदद की थी।

भाभी ने कहा था- तुम्हारे कारण हम लोग आगे नहीं बढ़ पा रहे

प्रवेश ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि 30 जुलाई की शाम 5 बजे वह बड़े भाई विशेष पटेल के घर पहुंचा। भाभी और दो भतीजियां ही घर पर थे। भाई ड्यूटी से लौटे नहीं थे। उसने पैसों की डिमांड की। इस पर भाभी ने कहा- तुम्हारे कारण हम लोग आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। आए दिन भाई से पैसे लेते रहते हो। गुस्से में आकर प्रवेश ने भाभी को धक्का मारा। वह दीवार से टकरा गई। प्रवेश ने किचन में ही रखा हंसिया उठाया और 5 वार किए। मां को बचाने आई अवंतिका पर 7 से 8 वार किए। बेडरूम में जाकर अन्विका पर पत्थर का बट्टा पटककर उसे भी मार डाला।

कपड़े बदले, पत्थर दूसरे कमरे में छिपाया

भाभी-भतीजियों की हत्या के बाद प्रवेश ने खून लगे कपड़े और हंसिया बाथरूम में जाकर पानी से भरी बाल्टी में डाल दिया। खून के धब्बे साफ करने की कोशिश की। खून लगा पत्थर दूसरे कमरे में ले जाकर छिपा दिया। इसके बाद बड़े भाई विशेष के कपड़े पहने। गहने-कैश समेटकर भाग निकला। वह सीधा दोस्त प्रकाश के पास पहुंचा। प्रकाश की मदद से उसने कुछ गहने 97 हजार रुपए में बेचे। प्रकाश से लिया हुआ कर्ज चुकाया और दमोह चला गया। पुलिस के मुताबिक, प्रवेश घटना वाले दिन सुबह ही दमोह से सागर आया था। वह दोस्त प्रकाश से मिला। उसकी मदद से अपनी स्कूटी गिरवी रखी। हत्याकांड के बाद उसने गिरवी रखी स्कूटी भी पैसे चुकाकर वापस ले ली थी।

ससुराल में छिपकर बैठा था आरोपी

पुलिस को शुरुआती जांच से ही प्रवेश पटेल पर शक था। जांच के लिए पुलिस दमोह पहुंची लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद टीम दमोह के पास सरखड़ी गांव में उसकी ससुराल गई। यहां से उसे हिरासत में लेकर सागर लाया गया। पहले तो वह गुमराह करता रहा, फिर पुलिस के सख्ती करने पर पूरी कहानी उगल दी। प्रभारी एसपी डॉ. संजीव उईके ने कहा, अभी तक की जांच में हत्याकांड के पीछे सिर्फ प्रवेश पटेल का नाम ही सामने आया है। उसके दोस्त प्रकाश ने गहने बेचने में मदद की थी। परिवार का कोई अन्य सदस्य मामले में शामिल है या नहीं, इसकी जांच जारी है।

ऑनलाइन सट्टा खेलने का आदी है आरोपी

पुलिस के अनुसार, प्रवेश पटेल को ऑनलाइन जुआ-सट्टा खेलने की आदत है। इस वजह से उस पर अक्सर कर्ज हो जाता है। पिता के निधन के बाद उसे पीडब्ल्यूडी, दमोह में अनुकंपा नौकरी मिली थी। वह 3 साल से नौकरी कर रहा है। 2 साल पहले ही शादी हुई है। बड़े भाई विशेष ने उसका 9 से 10 लाख रुपए का कर्जा चुकाया था। इसके बाद से दोनों भाइयों के बीच अनबन थी। फिलहाल, प्रवेश पर 1.50 लाख रुपए के कर्ज की बात सामने आ रही है। विशेष पटेल जिला अस्पताल के दवा वितरण केंद्र में पदस्थ है। पुलिस ने पूछताछ के लिए उसे भी हिरासत में लिया था। विशेष की लोकेशन जानने के लिए अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले गए। वंदना के मायके और ससुराल पक्ष के लोगों से भी पूछताछ की गई थी।

महिला बोली-किसी ने छू लिया तो बेटा नहीं होगा

न्यूज क्राइम फाइल

दमोह में बेटे की चाह में एक परिवार बंदेज नामक अंधविश्वास में उलझ गया। कपल बेटा चाहते थे, ऐसे में वे ओझा (बाबा) के चक्कर में पढ़ गए। बाबा ने बंदेज करते हुए महिला से कहा- अब सबसे दूरी बना लो। यदि किसी बाहरी ने टच किया तो तुम्हें कभी बेटा नहीं होगा। ओझा की बात मानकर महिला ने खुद को सबसे दूर कर लिया। वह रोजमर्रा के अपने काम तो करती थी, लेकिन न किसी से मिलती न ही कोई उसे छू सकता था। समय पर इलाज नहीं मिल पाने से उसका हीमाग्लोबिन गिरकर 3.6 ग्राम पर आ गया। सीवियर एनीमिया की शिकार हो गई। स्थानीय स्वास्थ्यकर्मियों ने डिलीवरी के एक दिन पहले जैसे-तैसे उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे ब्लड चढ़ाकर प्रसव करवाया गया। डॉक्टर का कहना है ऐसे केस में जान जाने का भी खतरा होता है।

6 बेटियों के बाद बेटे की चाह

कृपाल आदिवासी अपनी पत्नी कमलेशरानी आदिवासी के साथ अमझेर गांव में रहता है। इसके पहले पत्नी 6 बार गर्भवती हुई। उसकी चार बेटियां जीवित हैं। एक की मौत हो गई है, जबकि एक का अबॉर्शन हो गया था। जिसका अबॉर्शन हुआ था, वह भी बेटी ही थी। 6 बेटियों के बाद पत्नी 7वीं बार गर्भवती हुई तो दोनों को फिर से बेटे की चाह जाग गई। वे ओझा के पास चले गए। ओझा ने बंदेज किया और कहा- तुम्हें बाहरी दुनिया से संपर्क खत्म करना होगा, यानी सबसे दूरी। महिला ने उसकी बात मान ली और वैसा किया, इस बंदेज के कारण उसने अपने साथ बच्चे की जान को भी खतरे में डाल दिया।

महिला के बारे में मीटिंग में पता चला

सीबीएमओ उमाशंकर पटेल ने बताया कि 21 तारीख को मडियादो में सेक्टर समिति की बैठक थी। मीटिंग में कुंझा सीएचओ ने बताया कि अमझेर गांव की रहने वाली कमलेशरानी आदिवासी (38) प्रेग्नेंट है और उसका 9वां महीना चल रहा है। वह 7वीं बार प्रेग्नेंट है। महिला हाई पर रिस्क है, उसे सीवियर एनीमिया है। हालत बहुत खराब है। इस घटना को गंभीरता से लिया गया। अगले दिन सोमवार को सिविल अस्पताल से पीसीएम देवेंद्र सिंह और अंतरा फाउंडेशन से धीरेंद्र जी को भेजा गया। उन्हें कहा गया कि आप गांव जाकर महिला को किसी भी तरह से सिविल अस्पताल या जिला अस्पताल में भर्ती करवाइए। टीम गांव पहुंची और महिला और उसके पति की काउंसिलिंग की। पहले तो महिला ने अस्पताल में भर्ती होने से मना कर दिया, लेकिन समझाइश और दोनों को जान का खतरा बताने पर वह तैयार हो गई।

ग्वालियर छोड़कर भागने वाला था, पुलिस ने घेरा तो गोली चला दी; पिस्टल जब्त

बिजनेसमैन की पत्नी की हत्या के आरोपी का एनकाउंटर

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर में एक बिजनेसमैन की पत्नी की गोली मार कर हत्या करने के आरोपी को शॉर्ट एनकाउंटर के बाद पुलिस ने पकड़ लिया। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। शुक्रवार सुबह आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जो आरोपी के पैर में लगी। हत्या के मुख्य आरोपी आकाश जादौन पर अलग-अलग थानों में केस दर्ज हैं। उस पर 20 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। पुलिस ने दूसरे आरोपी शुभम जादौन को एक दिन पहले गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, तीसरा आरोपी फरार है।

पैर में लगी पुलिस की गोली

क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात 3:30 बजे शीतला माता रोड इलाके से आकाश जादौन गुजर रहा है। पुलिस ने नाकाबंदी कर उसे घेर लिया। पुलिस को देख आकाश ने फायरिंग कर दी। क्राइम ब्रांच की टीम ने भी काउंटर फायर किए। एक गोली आकाश के घुटने में लगी, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। घायल आकाश को जयारोग्य अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया है। एसपी धर्मवीर सिंह यादव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने टीम को इनाम देने की घोषणा की।

बाइक और पिस्टल बरामद

बदमाश मूलतः मुरैना जिले के सबलगढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस इनका क्राइम रिकॉर्ड खंगाल रही है। पूछताछ कर अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी जुटा रही है। आकाश के पास से 32 बोर की पिस्टल और एक बाइक बरामद की है।

पुलिस बोली- तीसरे आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार करेंगे

एसपी ने बताया कि मुख्य आरोपी आकाश जादौन शीतला माता रोड से भागने की फिराक में था। टीम ने बदमाश को पकड़ने के लिए देर रात घेराबंदी की थी। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की थी। तीसरा साथी अभी फरार है। उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घर के गेट पर सीने में गोली मारी थी

माधौगंज थाना क्षेत्र के प्रीतमपुरा गुढ़ा के रहने वाले संतोष गुप्ता सत्यम ट्रैवल्स के संचालक हैं।

उनकी पत्नी अनीता गुप्ता (55) सोमवार दोपहर करीब 3 बजे छोटे बेटे जय के साथ डॉक्टर के पास गई थीं। दोनों एक्टिवा से घर आए। दरवाजे पर खड़े हुए थे, तभी बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाश आ गए। बदमाशों ने कट्टा दिखाते हुए जय से गले में पहनी सोने की चेन उतारने के लिए कहा। मां-बेटे ने विरोध किया, तो बदमाश ने फायर कर दिया। गोली अनीता के सीने में लगी। दोनों जैसे-तैसे घर के अंदर घुस गए और दरवाजा बंद कर लिया। बदमाश भाग गए। खून से लथपथ अनीता घर के अंदर गिर पड़ीं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई है।

दलबदलू विधायकों की निधि पर रोक लगाने स्पीकर को पत्र

न्यूज क्राइम फाइल

एमपी में दलबदल की सियासत लगातार चल रही है। कांग्रेस ने बीना विधायक निर्मला सप्रे और विजयपुर विधायक रामनिवास रावत की विधायक निधि पर दलबदल करने की तारीख से ही रोक लगाने की मांग की है। एमपी कांग्रेस की ओर से विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर को पत्र भेजा गया है। सागर और श्योपुर जिलों के कलेक्टर्स को भी पत्र की कॉपी भेजी गई है। एमपी कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता ने विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने स्पीकर से मांग करते हुए लिखा है- कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर चुनाव जीतकर बीना और विजयपुर क्षेत्र के विधायकों ने सार्वजनिक रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। जो कि दल बदल कानून की वैधानिक परिधि में आती है। और विधायक पद के लिए अयोग्यता की परिधि में भी आता है। आप विधि के प्रदेश में सबसे बड़े रक्षक और विधायिका के पालक हैं। जनप्रतिनिधित्व के क्षेत्र में शुचिता और नैतिकता को संरक्षण देने की आपसे अपेक्षा स्वाभाविक है। एक चैतन्य नागरिक के रुप में आपसे विनम्र आग्रह है। कि ऐसे विधायक जब तक पुनः चुनकर विधायक नहीं बन जाते तब तक भाजपा में प्रवेश की तिथि से उनके विधायक निधि के उपयोग को पूर्ण रोक लगाकर नैतिक मूल्यों को संरक्षण दें।

5 मई को बीना विधायक ने थामा बीजेपी का दामन

लोकसभा चुनाव के दौरान सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस की विधायक निर्मला सप्रे ने सुरखी विधानसभा के राहतगढ़ में मुख्यमंत्री मोहन यादव के मंच पर पहुंचकर विधायक सप्रे ने भाजपा जॉइन कर ली थी। दो महीने बीतने के बाद भी निर्मला ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है। कांग्रेस की ओर से की गई शिकायत पर विधानसभा सचिवालय ने बीना विधायक निर्मला सप्रे को नोटिस दिया है। 10 दिन में निर्मला को नोटिस का जवाब देने का समय दिया गया है। श्योपुर जिले की विजयपुर सीट से छठवीं बार के कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत ने अप्रैल में सीएम डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के समक्ष भाजपा जॉइन कर ली थी। 8 जुलाई को रावत ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

उत्तराखंड में ड्यूटी पर लौट गया था, लड़की के परिवार पर बनाता रहा दबाव

अग्निवीर ने दोस्तों के साथ मिलकर स्टूडेंट से गैंगरेप किया

संदीप कुमार सिंह

12वीं की स्टूडेंट से गैंगरेप के आरोप में पुलिस ने अग्निवीर को गिरफ्तार किया है। सेना की मदद से आरोपी को उत्तराखंड से पकड़ा गया है। अग्निवीर ने अपने पांच दोस्तों के साथ मिलकर 16 साल की नाबालिग छात्रा से गैंगरेप किया था। मामला अलवर के कठूमर थाना क्षेत्र में 14 जुलाई का। अलवर एसपी आनंद शर्मा के अनुसार पीड़िता ने 22 जुलाई को केस दर्ज कराया था। उसने बताया कि एक दोस्त के रिश्तेदार ने उसे रात के समय कॉल करके घर से बुलाया था। फिर वह उसे बाइक पर बैठाकर जंगल की तरफ ले गया। वहां उसके चार दोस्त मौजूद थे। पांचों दोस्तों ने गैंगरेप किया। घटना के बाद आरोपी समझौता करने के लिए पीड़िता और उसके परिजनों पर दबाव बनाने लगा। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने दो आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिए थे। बाकी 3 आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस ने 31 जुलाई को मुख्य आरोपी अग्निवीर भावेश जाट को और पकड़ा। 1 अगस्त को उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। अभी भी दो आरोपी फरार चल रहे हैं।

ड्यूटी पर लौट गया था आरोपी

पुलिस के अनुसार, वारदात के बाद आरोपी उत्तराखंड में अपनी ड्यूटी पर चला गया था। घटना के बाद पीड़िता ने ष्ट्रू को पत्र लिखकर न्याय दिलाने की मांग भी की थी। पुलिस अधिकारी जोगेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी सेना में अग्निवीर है। इसलिए उसे पकड़ने के लिए सेना के अधिकारियों से संपर्क किया गया था। पुलिस टीम ने उत्तराखंड जाकर सेना की मदद से आरोपी को पकड़ा। पीड़िता के परिजनों के अनुसार- आरोपी खुद के परिवार के संबंध सरकार में एक मंत्री से बताकर मामले को दबाने के लिए दबाव देता रहा। इसके बाद पीड़िता ने 26 जुलाई को एसपी से लिखित शिकायत कर मदद की गुहार लगाई थी, जिसमें कहा गया था कि अगर न्याय नहीं मिलेगा तो वो आत्महत्या के लिए मजबूर होगी। पुलिस के अनुसार आर्मी को मामले की रिपोर्ट सौंपी जाएगी। इसके बाद आर्मी के स्तर पर कार्रवाई होगी।

मैं जया अमिताभ बच्चन बोल रही हूं...

जोर से हंस पड़े राज्यसभा के सभापति

न्यूज क्राइम फाइल

संसद सत्र के 10वें दिन राज्यसभा में जमकर ठहाके लगे। दरअसल, केरल के एक सांसद की तरफ से पेश एक प्राइवेट मेंबर बिल पर चर्चा हो रही थी। कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने अपने विचार रखे। इसके बाद सभापति जगदीप धनखड़ कुछ बोल रहे थे। तभी जया बच्चन खड़ी हो गईं। सभापति ने उन्हें बोलने की अनुमति दे दी। सभापति हेडफोन लगाते हुए जया से एक सेकंड रुकने का इशारा करते हैं। फिर कहते हैं, आपकी हल्की-फुल्की टिप्पणी को मुझे गंभीरता से सुनना होगा और आपकी बहुत हल्की-फुल्की टिप्पणी पर मुझे बहुत गंभीर होना पड़ेगा।

मैं जया अमिताभ बच्चन...

सभापति हेडफोन लगा लेते हैं तो जया बच्चन कहती हैं.. सर, मैं जया अमिताभ बच्चन आपसे पूछ रही हूं...जया बच्चन के इतना बोलते ही सभापति जगदीप धनखड़ डायस पर हाथ पीटकर जोड़ से हंस पड़े। उनके साथ राज्यसभा में मौजूद सभी सांसद भी ठहाके लगाने लगे। जया बच्चन ने सभापति धनखड़ से पूछा- आपको आज लंच ब्रेक मिला...नहीं मिला, तभी आप

बार-बार जयरामजी (जयराम रमेश) का नाम ले रहे हैं। उनका नाम लिए बगैर आपका खाना हजम ही नहीं होता। इस पर धनखड़ ने अपना हेडफोन निकालते हुए कहा- एक चीज लाइटर नोट पर बताऊं...मैंने लंच रीसेस में लंच नहीं किया और उसके बाद लंच जयरामजी के साथ किया। इसके बाद सदन दोबारा ठहाकों से गूंज उठा। फिर उन्होंने कहा..माननीय सदस्य, आपको बता दूं, यह पहला मौका है शायद, मैं आपका भी फैन हूं और अमिताभ जी का भी। जया फिर उठती हैं और पूछती हैं, ऐसा क्यों? सभापति धनखड़ कहते हैं, ऐसा कोई कपल मुझे मिला नहीं और।

30 जुलाई को हरिवंश ने जया अमिताभ बच्चन बुलाया तो नाराज हो गई थीं

30 जुलाई को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सदन में जया बच्चन को 'श्रीमती जया अमिताभ बच्चन जी' नाम से संबोधित कर दिया। इस पर जया उपसभापति पर भड़क गईं। बोलीं- सर, सिर्फ जया बच्चन बोलते तो काफी था। इस पर उपसभापति ने उन्हें जवाब भी दिया कि यहां पूरा नाम लिखा था इसलिए मैंने रिपीट किया। उन्हें जवाब देते हुए जया बोलीं- ये जो है कुछ नया शुरू हुआ है कि महिलाएं जो हैं वो अपने पति के नाम से जानी जाएं। उनका कोई अस्तित्व ही नहीं हैं। उनकी कोई उपलब्धि नहीं है अपने में।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623